

डॉ. मयंक

पदनाम	असिस्टेंट प्रोफेसर		
विभाग	केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिलांग केंद्र		
मुख्यालय / क्षेत्रीय केंद्र	केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिलांग केंद्र		
ईमेल	khs.mayank@gmail.com		
शैक्षिक योग्यताएँ	एम.ए., एम.फिल. पीएचडी (भाषा विज्ञान), जेएनयू, नई दिल्ली		
कार्य अनुभव (कुल वर्ष)	शैक्षिक	अनुसंधान	प्रशासन
	6 years	2 years 6 months	4 years
शैक्षिक विशेषज्ञता	<ul style="list-style-type: none"> वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, भाषा दस्तावेज़ीकरण, संगणक भाषाविज्ञान, कोश विज्ञान, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण 		
शैक्षणिक रुचिगत क्षेत्र	<ul style="list-style-type: none"> वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, लुप्तप्राय भाषाएँ, भाषा दस्तावेज़ीकरण, लुप्तप्राय भाषाएँ, क्षेत्र भाषाविज्ञान, संगणक भाषाविज्ञान, कोश विज्ञान, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण 		
शोध पर्यवेक्षक (अंकों में)	पुरस्कृत	प्रस्तुत	प्रगति में
शोध पत्र (अंकों में)	प्रकाशित		भेजी गयी
	06		-
शोध पत्र के शीर्षक (अधिकतम 5)	<ul style="list-style-type: none"> Developing resources for a less-resourced language: Braj Bhasha. Automatic Identification of Closely-related Indian Languages : Resources and Experiments Language identification and morphosyntactic tagging: The second VarDial evaluation campaign. पत्रकारिता एवं प्रवासी भारतीयों के लिए समर्पित : बालेश्वर अग्रवाल हिंदी का वैशिक रूप 		

Dr. Mayank

Designation	Dr. Mayank		
Department	Central Institute of Hindi, Shillong Centre		
Headquarter/ Regional Centre	Shillong Centre		
Email	khs.mayank@gmail.com		
Educational Qualification	MA, M.Phil. Ph.D. (Linguistics), JNU, New Delhi		
Experience (in years)	Teaching	Research	Administration
	6 years	2 years 6 months	4 years
Area of Specialization	Descriptive Linguistics, Language Documentation, Lexicography, SLA, FLA		
Area of Interest	Descriptive Linguistics, Endangered Languages, Language Documentation, Field Linguistics, Computational Linguistics, Lexicography, SLA, FLA		
Research Supervision (in numbers)	Awarded	Submitted	In progress
	-	-	-
Research Papers (in numbers)	Published		Communicated
	06		-
Titles of the Research Papers (up to 5)	<ul style="list-style-type: none">• Developing resources for a less-resourced language: Braj Bhasha.• Automatic Identification of Closely-related Indian Languages : Resources and Experiments• Language identification and morphosyntactic tagging: The second VarDial evaluation campaign.• पत्रकारिता एवं प्रवासी भारतीयों के लिए समर्पित : बालेश्वर अग्रवाल• हिंदी का वैशिक रूप		